वेदाध्ययन

(245)

शिक्षक अंकित मूल्यांकन-पत्र

पूर्णांक-20 अंक

निर्देश: 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्न पत्र के दाहिनी तरफ अंक दिये गए है।
2. उत्तर पुस्तिका के प्रथम पृष्ठ पर अपना नाम, अनुक्रमांक संख्या, अध्ययन केंद्र का नाम लिखना है।

1. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2
   (क) वेद के कितने अंग हैं? उनके नाम लिखिए। (पाठ-1)
   (ख) वेद शब्द का लक्षण बताइए। (पाठ-1)
2. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2
   (क) ऋग्वेद का लक्षण बताते हुए उसके विभाग बताइए। (पाठ-1)
   (ख) वेद में कितने स्वरों का उल्लेख है? उनके नाम लिखिए। (पाठ-1)
3. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 40-60 शब्दों में लिखिए- 2
   (क) विभिन्न आचार्यों ने वेद का क्या काल निर्धारण किया है? (पाठ-1)
   (ख) विकृति पाठ कितने हैं? उनके नाम लिखिए। (पाठ-1)
4. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4
   (क) किसी एक भाष्यकार के विषय में टिप्पणी लिखिए। (पाठ-3)
   (ख) यम सूक्त के कोई तीन मंत्र लिखिए। (पाठ-11)
5. निम्न में से किसी एक प्रश्न का उत्तर 100-150 शब्दों में लिखिए- 4
   (क) 'चतुर्थ्यर्थ्ये बहुलं छंदसि' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। (पाठ-16)
   (ख) 'छंदसि निष्टर्क्य.....' इस सूत्र को पूरा लिखते हुए व्याख्या कीजिए। (पाठ-17)
6. निम्न में से किसी एक विषय पर एक परियोजना का निर्माण कीजिए- 6
   (क) 'शुन: क्षेपोख्यान' की व्याख्या कीजिए। (पाठ-12)
   (ख) छंद की रूप प्रक्रिया लौकिक प्रक्रिया से किस प्रकार भिन्न हैं। विस्तारपूर्वक प्रतिपादन करें। (पाठ-16)